

ख़बर संक्षेप

कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम ने पटवारी को किया निलंबित

शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशानुसार फॉर्मर रजिस्ट्री शासकीय कार्य के प्रति घोर लापरवाही बरतने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह ने श्री भरत सिंह खैरवार पटवारी हल्का जमुड़ी तहसील जयसिंहनगर जिला शहडोल म प्र. को सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि श्री भरत सिंह खैरवार का मुख्यालय तहसील जयसिंहनगर में संलग्न किया जाता है। अपनी उपस्थिति कार्यालय तहसील जयसिंहनगर में प्रस्तुत नहीं करने पर अनुपस्थिति मानी जावेगी। श्री खैरवार पटवारी को निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

बुढ़ार की महिलाओं ने मंच पर बिखेरा प्रतिभा का जलवा



बुढ़ार। नगर के श्री द्वारिका प्रतिष्ठान में शनिवार, 22 अगस्त को पहली बार महिलाओं के लिए एक भव्य सौंदर्य और प्रतिभा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पूनम नरोत्तम त्रिपाठी एवं उनकी सहयोगी टीम द्वारा आयोजित इस अमूल्य कार्यक्रम में बुढ़ार सहित आसपास के क्षेत्रों की लगभग 60 महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस सौंदर्य रण्य की चार प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया था। मिसेज बुढ़ार, ब्यूटी ऑफ द डे, मिसेज हॉट, जेंटल लेडी प्रतिभागियों ने मंच पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण प्रस्तुति और व्यक्तित्व से सभी का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता के मूल्यांकन के लिए शहडोल संगमन से विशिष्ट निगरायक मंडल का गठन किया गया था, जिसमें डॉ. सुधा नामदेव, रुपाली सिंघाई, श्वेतांजलि पाठक, अंजना उदयगिरा और नगर पालिका अध्यक्ष शालिनी सराओगी शामिल रही। निर्णायकों ने प्रस्तुति और व्यक्तित्व के आधार पर परिणाम घोषित किए। प्रथम स्थान (खिता) संध्या सिंह परिहार, द्वितीय स्थान आरती तिवारी, तृतीय स्थान अर्पणा पाठक, चतुर्थ स्थान नूतन सिंह परिहार आयोजक पूनम त्रिपाठी ने सफल आयोजन के लिए सहयोगी स्वाति लहंगीर, कविता प्याशी, रोशनी गुप्ता, शशि तिवारी, आरती तिवारी, अर्पणा पाठक तथा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

जान जोखिम में डाल पुलिस ने बरामद किया महिला का शव



शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नगनोड़ी में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां 45 वर्षीय महिला राजवती बैगा पति कामता बैगा ने नदी पार स्थित बगीचे में पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, लेकिन घटना के बाद शव को कब्जे में लेकर मुख्य मार्ग तक लाना पुलिस प्रशासन और ग्रामीणों के लिए एक अत्यंत जोखिम भरी चुनौती बन गया। घटना की सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस की टीम तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। लेकिन गांव के समीप बहने वाली झारप नदी बारिश के कारण उफान पर थी। पानी का स्तर और तेज बहाव इतना खतरनाक था कि पुलिस वाहन को घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर पहले ही रोकना पड़ा। आगे का कोई भी रास्ता गाड़ियों की आवाजों के लायक नहीं बचा था। कर्तव्य की खातिर पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर जान की परवाह न करते हुए पैदल ही तेज बहाव वाली झारप नदी को पार किया। घटनास्थल पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार किया गया। असली मलकत तब शुरू हुई जब शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाना था। पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने मिलकर शव को अपने कंधों के सहारे संभाला और उफनती नदी के बीच से होकर किसी तरह सुरक्षित किनारे तक लेकर आया। इस पूरी दुखद और जोखिममयी प्रक्रिया का ग्रामीणों ने वीडियो भी बनाया, जो अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि नदी के दूसरी ओर कई लोगों के खेत और बगीचे स्थित हैं। सामान्य दिनों में ग्रामीण खेती-किसानी के काम से नदी पार करके आया-जाया करते हैं।



शहडोल।

राजस्व विभाग की साख को बढ़ा लगाने और जनता के भरोसे का कतल करने वाला एक ऐसा धिनीना मामला सामने आया है, जिसने सोहागपुर तहसील की साख को तार-तार कर दिया है। सोहागपुर तहसील के हल्का नंबर 72 में पदस्थ पटवारी आशीष सोनकर ने पद के गुरूर और हवस के अंधेपन में मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दी हैं। एक बेसहारा, अनाथ युवती—जिसके सिर से माता-पिता का साया उठ चुका है, उसे न्याय दिलाने और पुरस्तेनी काम करने के बजाय पटवारी साहब ने उसे अपनी रंगीन मिजाजी और घूसखोरी का शिकार बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन पीड़िता ने घुटने टेकने के बजाय पटवारी की डर्टी चैट और अश्लील मांगों के स्क्रीनशॉट सीधे कलेक्टर की मेज पर पटककर



इस भ्रष्ट पटवारी की कार्यशैली सामने लाकर रख दी।

15 हजार हजम, फिर भी नहीं भरी नीयत

ग्राम पंचायत चापा निवासी पीड़िता अपनी पुरस्तेनी जमीन के कागजात दुरुस्त कराने और जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए पटवारी आशीष सोनकर के दफ्तर के चक्कर काट रही थी। अनाथ बेटी की बेबसी पर तरस खाने के बजाय पटवारी ने काम की एवज में 20 हजार रुपये की रिश्त तय कर दी। पीड़िता ने जैसे-तैसे 15 हजार रुपये नकद दे भी दिए, लेकिन जेब गर्म होने के बाद भी पटवारी की नीयत नहीं भरी। वॉट्सऐप पर मर्यादा लांघते हुए पटवारी ने काम पूरा करने के बदले युवती को होटल में मिलने और अपने साथ रहने का अनैतिक व अश्लील दबाव बनाया। जब शासकीय पद पर बैठा नुमाइंदा ही अपनी कुर्सी को अय्याशी का



अड्डा समझने लगे, तो जनता इसाफ की उम्मीद किससे करे?

कलेक्टर की चौखट पर पहुंची बात

पीड़िता ने 22 अगस्त को कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर वॉट्सऐप चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग और स्क्रीनशॉट के पुख्ता इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सौंपते हुए आरोपी पटवारी पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर, जब इस पूरे कांड पर आरोपी पटवारी आशीष सोनकर से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क साधा गया, तो साहब के होश उड़ गए। वे अपनी सफाई में एक शब्द भी नहीं बोल पाए और बाद में बात करता हूं की धिंसी-पिटी रट लगाकर फोन काटकर रफूचक्कर हो गए। यह मामला सिर्फ 15 हजार रुपये की घूसखोरी का नहीं, बल्कि एक अनाथ, बेसहारा बेटी के मानसिक शोषण और पद के भयानक दुरुपयोग का है। अब देखना

यह है कि जिला प्रशासन इस रंगीन मिजाज पटवारी और उसके धमकीबाज गुर्गों पर क्या सख्त दंडात्मक कार्रवाई करता है, या फिर यह मामला भी गोलमाल जांच की फाइलों में दफन हो जाएगा।

दलाल से दिलवाई जान से मारने की धमकी

जब पीड़िता ने इस घटिया और अनैतिक मांग का विरोध किया, तो पटवारी का प्रशासनिक अहम्-उबल पड़ा। साहब ने अपनी औकात दिखाते हुए युवती का काम ठप कर दिया और उसके जाति प्रमाण-पत्र की फाइल दबा दी। दबंगई की हद तो तब हो गई जब पटवारी के चहेते गुर्गों और दलाल रवि ने पीड़िता को शिकायत वापस लेने के लिए धमकाना शुरू कर दिया और बात न मानने पर जान से मरवाने की धमकी तक दे डाली। साफ जाहिर है कि हलके में अकेला पटवारी नहीं, बल्कि दलालों का पूरा सिंडिकेट फल-फूल रहा है।

त्योहारों को लेकर मानपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

ईद-उल-मिलादुन्नबी, रक्षाबंधन, कजलियां एवं जन्माष्टमी पर आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील

मानपुर। आगामी पर्व ईद-उल-मिलादुन्नबी, रक्षाबंधन, कजलियां एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार, 24 अगस्त 2026 को मानपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन नगर निरीक्षक ब्रज किशोर गर्ग एवं नगर परिषद मानपुर की मुख्य नगरपालिका अधिकारी रचियिता अक्वस्थी के नेतृत्व में किया गया। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान नगर एवं क्षेत्र में शांति, कानून व्यवस्था और आपसी भाईचारा बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि सभी लोग अपने-अपने पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाएं तथा



दूसरों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सहयोग करें। बैठक में यह भी कहा गया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध अथवा विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना दें। सभी पर्वों को आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता के साथ

मनाने पर जोर दिया गया।

शांति समिति की बैठक में नगर के गणमान्य नागरिक राम किशोर चतुर्वेदी, हरीश विश्वकर्मा, हरगोविंद चतुर्वेदी, सुरेश सिंह, मुन्ना सिंह, पत्रकार बंधु, जनपद सदस्य सुश्री रोशनी सिंह, असगर हुसैन, रविराज सिंह, कमलेश प्रजापति, शिवम प्रजापति, दिनेश कुशवाहा, राकेश कोल, बिहारी लाल, नसीम अहमद, राजेंद्र

यादव, प्रदीप सिंह, राम सेवक

पटेल सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा थाना मानपुर के अधिकारी-कर्मचारी एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि भी बैठक में मौजूद रहे। अधिकारियों ने सभी से आगामी त्योहारों के दौरान प्रशासन का सहयोग करने तथा मानपुर क्षेत्र की शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण परंपरा को बनाए रखने की अपील की।



शहडोल।

प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा के नाम पर अरबों का बजट पानी की तरह बहा रही है, लेकिन धरातल पर यह बजट भ्रष्टाचारियों और रेत माफियाओं के लिए सोने की खान साबित हो रहा है। इसका ताजा और जीवंत नमूना बुढ़ार विकासखंड के ग्राम भाटिया में देखने को मिल रहा है, जहां कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का नया भवन भ्रष्टाचार और अवैध संतुंगों की नींव पर खड़ा किया जा रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे इस शासकीय भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, लेकिन अब तक पहली मंजिल की छत तक नहीं ढली है। सबसे बड़ा तमाशा तो यह है कि निर्माण स्थल

से सूचना पटल ही गायब है, ताकि जनता और प्रशासन को यह पता ही न चल सके कि यह भवन कितने करोड़ों का है, किस योजना का है और इसके मानक क्या हैं। जिले में आधिकारिक तौर पर रेत खदानों का टेंडर ही नहीं हुआ है। इसके बावजूद इस भवन निर्माण में अब तक अनुमानित 50 से अधिक हायवा अवैध रेत बेधड़क खपाई जा चुकी है। सवाल यह उठता है कि जब जिले में वैध रेत का एक कण उपलब्ध नहीं है, तो एक शासकीय भवन में धड़ल्ले से अवैध रेत का इस्तेमाल किसके संरक्षण में हो रहा है? सूत्रों की मानें तो जैतपुर क्षेत्र का सक्रिय अवैध रेत माफिया इस शासकीय निर्माण को अपने लिए कुबेर का खजाना मानकर धुना रहा है। क्या पीआईयू विभाग के

जिम्मेदार अधिकारियों ने कभी इस बात की जांच करने की जहमत उठाई कि भवन की नींव में जो सामग्री मिलाई जा रही है, उसकी गुणवत्ता कैसी है? या फिर कमीशन के खेल में मानकों की बलि चढ़ा दी गई है? जानकारी के मुताबिक, यह निर्माण कार्य राज्य शिक्षा केंद्र के मद से संचालित हो रहा है। इसका ठेका विनोद नामक किसी ठेकेदार के पास है और इसकी देखरेख का जिम्मा शहडोल के पीआईयू विभाग पर है। ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि करोड़ों के इस प्रोजेक्ट में गुणवत्ता के मानकों की सरेआम धजियां उड़ाई जा रही हैं। जिस भवन में कल हमारी बेटियां रहेंगी, उसकी मजबूती के साथ ऐसा खिलवाड़ प्रशासनिक अंधेरगढ़ी की पराकाष्ठा है।



बालिकाओं का कस्तूरबा छात्रावास बना कुबेर खजाना बिना सूचना पटल के खप गई 50 से अधिक अवैध रेत की गाड़ियां

एनएम कर्मचारियों ने 25 अगस्त से काम बंद आंदोलन का अल्टीमेटम

शहडोल।

जिले के दूरदराज और दुर्गम इलाकों में जन-स्वास्थ्य की नींव संभालने वाली संविदा एवं नियमित एनएम कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। संयुक्त एएनएम एसोसिएशन के बैनर तले, जिलाध्यक्ष अंजलि सोनवानी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन (कलेक्टर) को एक 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। संगठन ने दौड़क शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि 25 अगस्त तक उनकी न्यायसंगत मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो वे काम बंद आंदोलन के लिए बाध्य होंगी।

सौंपे गए ज्ञापन में एएनएम कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनसे दिन-रात विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और अभियानों का जमीनी काम लिया जा रहा है, लेकिन प्रोत्साहन राशि के भुगतान के नाम पर केवल टोलमटोल की जा रही है। संघ ने एमआर-1, ग्रामीण एएनएम, एनसीडी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की पहचान, प्रारंभिक पंजीयन और



डीएसएस कार्यों की बकाया प्रोत्साहन राशि का अविलंब भुगतान करने की मांग रखी है। ज्ञापन में एएनएम संघों को पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीडब्ल्यू) की तर्ज पर विभागीय पदों पर पदेन्यति का अवसर देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा, वर्ष 2016 से नर्सिंग संघों से अलग किए जाने के बाद एएनएम और एलएचवी संघों में उत्पन्न हुई वेतन विसंगतियों को तत्काल दूर करने तथा वर्षों से अपनी सेवाएं दे रही संविदा एएनएम कर्मचारियों को नियमानुसार नियमित करने पर जोर दिया गया है।

संगठन ने स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) पोर्टल की व्यवस्था को पृथक करने तथा ऑनलाइन रिपोर्टिंग के

अत्यधिक मानसिक दबाव को कम करने की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद वे पहाड़ों, नदियों और नालों को पार कर आदिवासी व दुर्गम अंचलों में सेवाएं देती हैं। ऐसे जोखिम भरे क्षेत्रों में कार्य करने के एवज में 15 प्रतिशत जोखिम भत्ता (आदिवासी क्षेत्र भत्ता) और नियमानुसार आवास भत्ता प्रदान किया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने साफ कर दिया है कि समय सीमा के भीतर समाधान न मिलने पर 25 अगस्त से जिलेभर की एएनएम काम बंद कर हड़ताल पर चली जाएंगी। यदि ऐसा होता है, तो ग्रामीण और मैदानी

क्षेत्रों में टीकाकरण तथा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अन्नू मंगलानी

(Annu Manglani)

पति भूपेन्द्र मंगलानी, निवासी वार्ड नं. 18 छत्रशाल वार्ड, शहडोल (म.प्र.) की निवासी हूँ। शादी से पहले मेरा नाम अनीता श्यामलाल जेठानी, पता - सातकवरराम प्रतिमा के पास, सिंधी कैम्प, पडकी खोली, अकोला महाराष्ट्र था। अब शादी के बाद मेरा नाम अन्नू मंगलानी हो गया है। अतः आज से मुझे अन्नू मंगलानी के नाम से जाना व पहचाना जाय।

प्रार्थी
अन्नू मंगलानी
वार्ड नं. 18, शहडोल

बुढ़ार के पकरिया तिराहे पर रसूख की नींव और प्रशासन की लाचारी

नोटिस की रद्दी से खिलवाड़, जलमग्न जिंदगी पर जेसीबी का झुनझुना

शहडोल। कानून की आंखों पर बंधी पट्टी जब रसूख के चश्मे से गुजरती है, तो राष्ट्रीय राजमार्ग की जमीन पर दो मंजिला इमारतें सीना तानकर खड़ी हो जाती हैं। बुढ़ार के पकरिया-जीतपुर तिराहे पर इन दिनों कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिल रहा है। जहां एक तरफ नियम-कायदों को धत्ता बताकर राष्ट्रीय राजमार्ग की छाती पर अवैध ईटें चुनी जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ तमाशबीन बना प्रशासन महज पन्नों का खेल खेल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के पत्र, तहसील के बारंबार स्थगन आदेश और पुलिस अधीक्षक के दफ्तर तक पहुंची गुहार भी इस अवैध निर्माण की रफ्तार पर एक ब्रेक तक नहीं लगा सकी है। अब आलम यह है कि रसूखदारों के इस पक्के खेल की कीमत आम जनता को अपनी दुकानों और घरों में घुटने तक भरे गंदे पानी के रूप में चुकानी पड़ रही है।

नोटिस बना कागज का टुकड़ा

मामला केवल जमीन दबाने भर का नहीं, बल्कि सीधे तौर पर कानून के मुंह पर तमाचा मारने का है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 के किलोमीटर 159+400 पर पकरिया तिराहे की कुल चौड़ाई (राइट ऑफ वे) 45 मीटर तय है। सीधा गणित यह कहता है कि सड़क के केंद्र से 22.50 मीटर तक की परिधि में परिदा भी पर नहीं मार सकता। एनएचएआई के परियोजना निदेशक आनंद प्रसाद ने बाकायदा 15 जुलाई को बुढ़ार अनुविभागीय अधिकारी को पत्र भेजकर इस बात की पुष्टि की कि सुंदर साहू और शुभम साहू का व्यावसायिक निर्माण पूरी तरह से राजमार्ग की तय सीमा को लांघकर किया जा रहा है। अजीब विडंबना देखिए कि 11 जुलाई को भेजे गए नोटिस को जब भवन स्वामी ने लेने से इनकार कर दिया, तो 14 जुलाई को दूसरा नोटिस थमाया गया। लेकिन साहब को न



एनएचएआई का डर है और न ही अनुविभागीय अधिकारी की किसी कार्रवाई की चिंता। नोटिसों का पुलिंदा रद्दी की टोकरी में फेंक दिया गया और मौके पर होटल-दुकानों का चूना-गागरा बदस्तूर जारी है।

हादसों को न्योता और अदालती आदेशों की धजियां

स्थानीय नागरिक धनराज साहू ने जब इस मनमानी की शिकायत जिला पुलिस अधीक्षक के चौखट तक पहुंचाई, तो कई और परतें उधड़कर सामने आईं। ग्राम पंचायत पकरिया की जिस विवादित शासकीय जमीन पर यह दो मंजिला ढांचा तन रहा है, उस पर बुढ़ार तहसील कार्यालय से पहले ही कई बार स्थगन आदेश जारी हो चुके हैं। सवाल उठता है कि जब न्यायालय का स्थगन आदेश प्रभावी है, तब पुलिस और राजस्व महकमा किसकी सह पर अपनी आंखें मूंदे बैठा है? अत्यंत महत्वपूर्ण और अंधे मोड़ पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। यह तिराहा पहले से ही दुर्घटना संभावित क्षेत्र के रूप में बदनाम है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जिम्मेदारों को शायद किसी बड़े हादसे और जनहानि का इंतजार है, ताकि फाइलों को आगे बढ़ाने का कोई नया बहाना मिल सके।



केवल कागजी खानापूर्ति करने के लिए बना है? जब एनएचएआई अपनी सीमा तय कर चुका है, नोटिस की मियाद पूरी हो चुकी है, तो फिर बुलडोजर का रुख इस अवैध निर्माण को तरफ क्यों नहीं होता? क्षेत्र की जनता अब खोखले आश्वासनों और निरीक्षण के नाटकों से तंग आ चुकी है। लोगों की साफ मांग है कि एनएचएआई और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम तुरंत मौके पर सीमांकन करे। यदि निर्माण अवैध है और जल निकासी में रोड़ा अटका रहा है, तो उस पर तत्काल हथौड़ा चलाया जाए। जनता को स्थायी जल निकासी और सुरक्षित सड़क चाहिए, प्रशासन की लाचारी और अतिक्रमणकारियों की जुगलबंदी का यह गंदा खेल अब और नहीं चलेगा।

कागजी कार्रवाई का खेल बंद करे प्रशासन

पकरिया तिराहे पर घटी यह पूरी घटना चीख-चीखकर सवाल पूछ रही है कि क्या बुढ़ार प्रशासन

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक संपन्न



उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला कौशल विकास समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि संजय गाँधी धर्मल पावर स्टेशन में 57 प्रशिक्षणार्थी कार्यरत है। प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से सत्र 2026-27 में 126 प्रशिक्षणार्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया है। युवा संगम के माध्यम से सत्र 2026-27 में 258 युवाओं का चयन हुआ है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 57 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। आईटीआई में ऑटोमोबाइल

सम्बंधित व्यवसाय (मोटर मैकेनिक , डीजल मैकेनिक , मसिनरिट आदि) ग्रीन एनर्जी सम्बंधित व्यवसाय (सोलर तकनीशियन,) के व्यवसास प्रस्तावित है। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, डीएफओ विवेक सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नोरज, प्रत्युष श्रीवास्तव , प्रिया अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वतन की पुकार: देशभक्ति, शहीदों का सम्मान और प्रतिभाओं का भव्य संगम

शहडोल। देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और शहीदों व वतन के रखवालों के सम्मान के उद्देश्य से जन-गण-मन मिशन, शहडोल के तत्त्वावधान में 23 अगस्त को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पाण्डव नगर में वतन की पुकार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति गायन एवं नृत्य प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

कार्यक्रम में अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद के प्रपौत्र अमित आजाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारियों से जुड़ी प्रेरणादायी कहानियां साझा कर बच्चों और युवाओं में देशप्रेम का जन्म जगाया। जयहिंदगवन विद्यार्थक मनीषा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सरहद पर तैनात सैनिकों



से लेकर देश के युवाओं तक प्रत्येक नागरिक के कंधों पर देश को सुरक्षित और मजबूत बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित में आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने गायन और नृत्य के माध्यम से देशभक्ति का संदेश दिया और शहीदों, सैनिकों तथा राष्ट्रसेवा के विभिन्न



पहुलुओं के बारे में बहुत कुछ सीखा। प्रतियागिता के विजेताओं को पुरस्कार, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शहीद परिवारों सहित सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस, स्वास्थ्य, आपदा सेवा और समाजसेवा से जुड़े वतन के रखवालों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम

में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों, मीडिया प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। वतन की पुकार ने शहडोल में देशभक्ति, प्रतिभा और राष्ट्रसेवा का संदेश देते हुए नई पीढ़ी को शहीदों के बलिदान और अपनी जिम्मेदारियों से परिचित कराया।

मुख्यमंत्री ने जन कल्याण संबल 2.0 योजना के तहत हितवाहियों के खाते में राशि अंतरित

जिले के 252 श्रमिक परिवार के खातों मे राशि का हुआ अंतरण

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने समत्व मुख्यमंत्री निवास भोपाल से मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल 2.0 योजना के तहत 9 हजार श्रमिक परिवारों के खातों में 203 करोड़ रुपये की अनुग्रह सहायता राशि अंतरित की। उमरिया जिले के 252 श्रमिक परिवारों के खातों में 550.00 लाख रुपये का अंतरण हुआ।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एनआईसी में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, डिप्टी कलेक्टर प्रिया अग्रवाल, सीएमओ किशन सिंह, श्रम विभाग विभाग के अधिकारी तथा हितग्राही उपस्थित रहे।



अंतिम सावन सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब



हरिभूमि न्यूज कोतमा। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को जिलेभर के शिव मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। जिला मुख्यालय सहित कोतमा, बिजुरी, राजनगर, रामनगर, मातुंगड़ा, जमुना कालरी, जैतहरी, वैकटनगर, राजेंद्रगाम और अमरकंटक के शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचने लगी। मंदिरों में भगवान शिव का विशेष श्रृंगार कर आकर्षक सजावट की गई थी। महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलामिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सावन के अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को राखी बांधकर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर भव्य श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, फल-फूल सहित पूजन सामग्री अर्पित की। अनेक श्रद्धालुओं ने अपने घरों में पवित्र शिवलिंग बनाकर भी अभिषेक और पूजन किया। कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम, पंचायती मंदिर, शारदा-काली मंदिर, बूढ़ी माता मंदिर, गौरी शंकर मंदिर, पुरानी बस्ती स्थित शिव सागर धाम, वाई क्रमांक-4 के शंकर मंदिर, मगरदाह टोला, रेस्ट हाउस रोड, विकास नगर और लडरुई कैप स्थित शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। ठाकुर बाबा धाम एवं पंचायती मंदिर में सामूहिक रुद्रामिषेक का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने जोड़े के साथ पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का रुद्रामिषेक किया। मंदिरों में सुबह से देर रात तक दर्शन-पूजन का क्रम जारी रहा। जिले की पवित्र नगरी अमरकंटक में भी सावन के अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मं नर्मदा में स्नान कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद अमलेखर महादेवी मंदिर सहित अन्य शिवलयों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलामिषेक किया। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, फल-फूल अर्पित कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। अंतिम सावन सोमवार के चलते अमरकंटक की गलियां और मंदिर परिसर में दिनभर भवितमय वातावरण बना रहा।

बाढ़ की स्थिति पर कलेक्टर की नजर, जल संरचनाओं की निरंतर होगी मॉनिटरिंग नर्मदा परिक्रमा पथ पर 3-4 किमी के अंतराल में बनेंगे सुविधायुक्त आश्रय स्थल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में लगातार हो रही बारिश और लगातार बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर रत्नाकर झा ने सभी प्रमुख नदियों के जलस्तर के साथ जिले की जल संरचनाओं की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं। इसके लिए जिला स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम से निकटतम थानों से प्रतिदिन संपर्क बनाए रखने के साथ जनघनत्व पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में बारिश और बाढ़ की स्थिति की नियमित जानकारी लेने को कहा गया है। कलेक्टर सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा संगमार्ग में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नर्मदा परिक्रमा पथ को लेकर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग पर सुविधायुक्त आश्रय स्थल विकसित करने के लिए उपयुक्त गांवों का चिन्हंकन किया जाए। पटवारी, पंचायत सचिव, संबंधित अधिकारियों और युवाओं की टीम बेसलाइन के अनुसार प्रत्येक 3 से 4 किलोमीटर के अंतराल पर स्थान चिह्नित करे। इन स्थानों पर आश्रय स्थल के साथ बड़ा शेड, वृक्षारोपण, सामुदायिक स्वच्छता और सुंदर बगिया विकसित की जाए, ताकि नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। कलेक्टर ने जिले के सभी विद्यालयों में खेल मैदान विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के आसपास उपलब्ध शासकीय भूमि का नियमानुसार विद्यालय के नाम हस्तांतरण कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त खेल मैदान



उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बच्चों को खेल गतिविधियों के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी विद्यालयों और छात्रावासों के आकस्मिक निरीक्षण के निर्देश देते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की उपस्थिति, आवाजही और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की जांच की जाए। छात्रावास परिसरों में मुनगा सहित उपयोगी पौधों का रोपण कराने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और नियमित मॉनिटरिंग पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। जिन विद्यालयों तक पहुंचने के लिए एप्रोच मार्ग उपलब्ध नहीं हैं, वहां आवश्यकता के अनुसार मार्ग निर्माण कराया जाए। उन्होंने संबंधित एसडीएम को विद्यालयों का प्राथमिकता के आधार पर निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उचित मूल्य दुकानों के मगन और पहुंच मार्गों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने खराब स्थिति वाली दुकानों और मार्गों का चिन्हंकन कर आवश्यक सुधार करवाने को कहा। कृषि विभाग के उर्वरक भंडारण केंद्रों एवं अन्य शासकीय भवनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने अनूपपुर में स्टेडियम और ऑडिटोरियम निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि चिह्नित करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने

अधिकारियों से कहा कि जिले में कोई व्यक्ति, अधिकारी या संस्था उत्कृष्ट एवं जनहितकारी कार्य कर रही है तो ऐसे कार्यों को चिह्नित कर रोल मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सेवा और अन्य जनकल्याणकारी क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाजसेवियों और व्यक्तियों को भी चिन्हित कर उनके कार्यों को प्रोत्साहित किया जाए। आगामी त्योहारों को देखते हुए कलेक्टर ने जिले में खाद्य पदार्थों की सैपलिंग लगातार जारी रखने के निर्देश दिए। सभी एसडीएम को अपने क्षेत्रों में नियमित सैपलिंग कराने को कहा गया। अमरकंटक क्षेत्र में विशेष तत्परता और गंभीरता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। श्रम विभाग को जिले के सभी श्रमिकों का पंजीयन सितंबर माह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को आंगनवाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों का चिन्हंकन कर स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रमाण-पत्र वितरण के लिए सेक्टर स्तर पर शिविर आयोजित करने को कहा गया। पात्र संबल हितवाहियों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने आधार और समग्र आईडी में विसंगति के कारण योजनाओं के लाभ से वंचित पात्र हितवाहियों की जानकारी लेकर आवश्यक सुधार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य लक्षित प्रकरणों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी, नर्मंडाधिकारी डेविड व्यंकटराव चणाप, अपर कलेक्टर बलवीर रमन सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न



सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कराए निराकरण: कलेक्टर

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समय सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि आगामी 27 अगस्त को नगरीय निकाय उमरिया में मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर आयोजन से पूर्व शिकायतों का आगामी दो दिन में समाधान कारक निराकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों को उपयोग में नहीं लाया जाए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग से कहा कि जिले में ऐसी आंगनवाड़ी जिनमें विद्युत कनेक्शन, शौचालय की समस्या है, उसे चिन्हित किया जाए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि स्कूलों में शौचालय चालू हालत में हो साथ ही पानी की उपलब्धता हो, यदि पानी की उपलब्धता नहीं है, उसे चिन्हित किया जाए, ताकि शौचालय में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन सहित समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि श्रमयोगी मान धन योजना में रजिस्ट्रेशन कराएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिशनर कार्यालय शहडोल से प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक निराकरण कराएं। कोई भी शिकायत अन अटेंडेंट स्थिति में न रहे। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, डीएफओ विवेक सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नोरज, प्रत्युष श्रीवास्तव , प्रिया अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



कर्तव्यनिष्ठ टीआई विनय सिंह गहरवार ने धनपुरी थाने का संमाला पदभार, असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना होगी प्राथमिकता

शहडोल। पुलिस प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने विगत दिनों जिले के विभिन्न थानों में पदस्थ थाना प्रभारियों के तबादले कर उन्हें नए थानों की कमान सौंपी है। इसी कड़ी में कोयलांचल क्षेत्र बुढार में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पहचाने जाने वाले कर्तव्यनिष्ठ थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार को धनपुरी थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश के परिपालन में श्री गहरवार ने धनपुरी थाने पहुंचकर विधिवत अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागत थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने अवैध कारोबारों, जुआ-सट्टा और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का संदेश दिया है। साथ ही आम नागरिकों के लिए थाने के दरवाजे हमेशा खुले रहने और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का आश्वासन भी दिया।

अलग अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट की हुई घटनाएं

कटनी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मारपीट की घटनाएं हुईं। कुठला थाना क्षेत्र के चाका बायपास के पास पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। फरियादी के अनुसार जब वह दुकान से घर लौट रहा था, तभी हमले से घात लगाए बैठे तीन युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सिर और हाथ में गंभीर चोट आने पर पीड़ित को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसी तरह कोतवाली थानांतर्गत नदी पार इलाके में पैतृक जमीन के सीमांकन को लेकर दो पड़ोसियों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ी कि मारपीट में बदल गई। आरोपियों ने लात-घूंसें और लोहे की छड़ से हमला कर दिया, जिसमें बीच-बचाव करने आई एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रमस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर स्लीमानाबाद बाजार क्षेत्र में उधारी के पैसे मांगने पर एक ग्राहक ने अपने साथियों के साथ मिलकर दुकानदार पर हमला कर दिया।

नहीं रहे राम अग्रवाल, निधन से क्षेत्र में शोक की लहर



को लहर है। लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे राम अग्रवाल का निधन 23 अगस्त को हुआ। उनके निधन को समाज और जैतहरी नगर के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। राम अग्रवाल को जैतहरी नगर के विकास और सामाजिक सरोकारों से जुड़े एक सक्रिय व्यक्तित्व के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान नगर के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समाजसेवा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। वे अपनी बात बेबाकी से रखने के लिए जाने जाते थे और आम लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते रहे। उनके निधन की खबर मिलते ही जैतहरी सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। सामाजिक, राजनीतिक एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

झमाझम बारिश के बीच बिजली विभाग की त्वरित कार्रवाई: 2 घंटे में बदला गया 2 सौ बीए का ट्रांसफार्मर, उपभोक्ताओं ने ली राहत की सांस

बुढार।

रविवार रात तेज बारिश के बीच नगर की विद्युत वितरण व्यवस्था अचानक बाधित हो गई। बिजली सब-स्टेशन से मेन रोड टॉकीज मार्ग और रेलवे मार्केट की ओर जाने वाली लाइन के ट्रांसफार्मर से अचानक क्षमता से अधिक (हाई वोल्टेज) बिजली सप्लाई होने लगी।

वाईवांसियों को जैसे ही सप्लाई बढ़ने का एहसास हुआ, उन्होंने तुरंत इसकी सूचना बिजली वितरण केंद्र को दी। गनीमत यह रही कि बिजली का वोल्टेज अचानक बढ़ने के बावजूद किसी भी घर में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान नहीं पहुंचा।

तत्परता से टला बड़ा हादसा

शिकायत मिलते ही सब डिवीजन कनिष्ठ अभियंता विकास गोंडदुड़े अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारी बारिश के बीच मुस्तेदी दिखाते हुए महज 2 घंटे के भीतर खराब ट्रांसफार्मर की जगह 200 KVA (केवीए) का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी। बिजली विभाग की इस त्वरित और सराहनीय कार्रवाई से पूरे क्षेत्र के उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली है और विभागीय टीम की तत्परता की प्रशंसा की है।

कलेक्टर-कमिश्नर के रोज गुजरने वाले मार्ग की हालत बदतर: सड़कों पर गड़ों का अंबार, हादसों का शिकार हो रहे दोपहिया वाहन चालक



बुढार।

शहडोल रोड़ कटकोना बाईपास पर जल निकासी न होने से स्थिति अब बेहद उग्र और भयावह रूप ले चुकी है। मुख्य मार्ग पर लगातार पानी बहने के कारण सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और जगह-जगह गहरे गड्ढों का अंबार लग गया है। ताजुब की बात यह है कि इसी मार्ग से प्रतिदिन जिले के कलेक्टर, कमिश्नर और पीडब्ल्यूडी (PWD) के आला अधिकारी गुजरते हैं, लेकिन इसके बावजूद किसी भी जिम्मेदार की नजर सड़क पर बहते पानी और

जानलेवा गड्ढों पर नहीं पड़ रही है।

दुर्घटनाओं का केंद्र बना बाईपास

सड़क पर जमा पानी के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। आए दिन बाइक और स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं और गंभीर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारियों की आँखों के सामने से रोज यह नजारा गुजरता है, फिर भी लोक निर्माण विभाग का मौन

रहना समझ से परे है।

जन-आक्रोश के बीच अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल

अधिकारियों की इस खुली अनदेखी से क्षेत्र के लोगों और व्यापारियों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया है। नागरिकों का कहना है कि क्या प्रशासन को किसी बड़े और घातक हादसे का इंतजार है? यदि जल्द ही पीडब्ल्यूडी विभाग ने सड़क की मरम्मत और जल निकासी का काम शुरू नहीं कराया, तो स्थानीय जनता उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

कीचड़ में तब्दील हुई झिरिया टोला की मुख्य सड़क: गड़ों और जलभराव से सहमे ग्रामीण, स्कूली बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित



जयसिंहनगर (शहडोल)

जनपद पंचायत जयसिंहनगर की ग्राम पंचायत झिरिया टोला का वार्ड क्रमांक 13 इन दिनों बुनियादी सुविधाओं की कमी और बढ़हाली का दर्श झेल रहा है। वार्ड 13 में सुदीन साहू के घर से लेकर सिरपात के घर तक जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह कीचड़ और जलभराव की चपेट में है, जिससे ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है।

बीमारियों का खतरा

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि सड़क पर महीनों से पानी और कीचड़ भरा हुआ है। जमा हुए गंदे पानी के कारण बड़े पैमाने पर मच्छर पैदा हो रहे हैं, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा बन गया है।

यातायात ठप, आपातस्थिति में साधन नहीं

कीचड़ की वजह से इस मार्ग पर दोपहिया,



चारपहिया वाहनों सहित छोटे-बड़े सभी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो चुकी है। ग्रामीणों की सबसे बड़ी चिंता स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर है। यदि मोल्ले में कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाए, तो कीचड़ के कारण एम्बुलेंस या अन्य कोई वाहन घर तक नहीं पहुँच पाता, जिससे मरीज को अस्पताल ले जाना बेहद कठिन हो जाता है।

मासूमों की पढ़ाई पर पड़ा ताला

सड़क की इस जर्जर हालत का सबसे बुरा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। कीचड़ से

होकर निकलना बच्चों के लिए खतरे से खाली नहीं है, जिसके कारण कई बच्चों ने स्कूल जाना बंद कर दिया है। पढ़ाई का हो रहा यह नुकसान अभिभावकों की चिंता बढ़ा रहा है।

सड़क निर्माण की पुरजोर मांग

मोहल्ले के आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द संज्ञान लेने की अपील की है। वार्ड वासियों की मांग है कि वार्ड क्रमांक 13 की इस सड़क का निर्माण कार्य अतिशोध कराया जाए, ताकि लोगों को इस नारकीय जीवन से मुक्ति मिल सके।

बकाया कर जमा करने पर 50 फीसद की छूट

हरिभूमि न्यूज »» कटनी

जलकर राहत योजना के तहत बकाया जलकर राशि जमा करने वाले उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ दिलाने के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा शासकीय अवकाश के दिनों में भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। रविवार के अवकाश दिवस पर भी नगर निगम कार्यालय एवं निर्धारित काउंटर खुले रखे गए हैं। यहां पहुंचकर नागरिक अपने बकाया जलकर का भुगतान कर योजना का लाभ उठा रहे हैं।

नगर निगम प्रशासन की इस पहल से उन उपभोक्ताओं को विशेष सुविधा मिल रही है, जो कार्यदिवसों में अपने आवश्यक कार्यों के कारण जलकर जमा नहीं कर पाते। अवकाश के दिन खुले काउंटरो पर पहुंचकर नागरिक अपने बकाया जलकर का निपटारा कर रहे हैं तथा



नियमानुसार 50 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा नगर निगम की गठित टीमों द्वारा उपभोक्ताओं से डोर-टू-डोर संपर्क कर योजना की जानकारी दी जा रही है। टीम द्वारा पात्र उपभोक्ताओं को बकाया जलकर की 50 प्रतिशत राशि जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे वे शेष राशि पर मिलने वाली छूट का लाभ उठा सकें। शनिवार को 82 उपभोक्ताओं ने उठाया लाभजलकर राहत योजना को लेकर नागरिकों में उत्साह देखने

को मिल रहा है। शनिवार को अवकाश के बावजूद निगम द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधा का लाभ उठाते हुए 82 उपभोक्ताओं ने बकाया जलकर जमा किया और 50 प्रतिशत की छूट प्राप्त की। निगम प्रशासन द्वारा योजना की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने के साथ ही भुगतान प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है।नगर निगम प्रशासन ने पात्र जलकर उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे योजना की निर्धारित अंतिम तिथि 10 सितंबर 2026 से पहले अपने बकाया जलकर का 50 प्रतिशत राशि पर मिलने वाली छूट का लाभ उठाएं। निगम प्रशासन के अनुसार यह बकाया जलकर की देनदारी समाप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है, इसलिए पात्र उपभोक्ता समय सीमा का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द योजना का लाभ लें।

खबर संक्षेप



पंजाब की तर्ज पर मग्न में भी आए आउटसोर्स पर्सनल बिल 2026
अनूपपुर। ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने मध्यप्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में पंजाब की तर्ज पर व्यवस्था लागू करने की मांग की है। मोर्चा के प्रतीय संयोजक मनोज भागव एवं महामंत्री दिनेश सिसोदिया ने कहा कि प्रदेश सरकार को आउटसोर्स कर्मियों को ठेकेदारों के भरोसे छोड़ने के बजाय संबंधित विभागों से सीधे वेतन भुगतान की व्यवस्था करनी चाहिए। मनोज भागव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों से किए वादों को अब तक पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव के दौरान संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का वादा किया गया था, लेकिन 12 वर्ष बीत जाने के बाद भी यह मांग पूरी नहीं हुई। इसी तरह वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के चुनावी वचन-पत्र के बिंदु 81.1 में आउटसोर्स कर्मियों को केंद्र के समान न्यूनतम वेतन तथा संविदा कर्मी बनाए जाने का वादा किया गया था, लेकिन करीब तीन वर्ष बाद भी उस पर अमल नहीं हुआ है। भागव ने कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार ने हाल ही में “पंजाब स्टेट आउटसोर्स पर्सनल बिल क्र. 17/पीएलए/2026” विधानसभा में पारित किया है। इसके तहत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के ग्रुप-सी और ग्रुप-डी के बिजली कर्पियों, फायर ब्रिगेड सहित अन्य जोखिमपूर्ण एवं आपातकालीन विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों को तीन वर्ष के लिए शासकीय विभागों एवं उपक्रमों से सीधे अनुबंधित करने तथा ठेकेदारों के बजाय विभाग से सीधे मासिक वेतन देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही कर्मचारियों को एक वर्ष का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि जब पंजाब सरकार आउटसोर्स कर्मियों के हित में ऐसी व्यवस्था लागू कर सकती है, तो मध्यप्रदेश सरकार इससे क्यों कतरा रही है। प्रदेश में भी इसी फार्मूले को लागू करने की आवश्यकता है। मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि विभागों से सीधे वेतन मिलने पर ठेकेदारों की मनमानी और कथित बिचौलिया व्यवस्था पर रोक लगेगी। कर्मचारियों को कागजों पर अधिक और हाथ में कम वेतन मिलने जैसी शिकायतों पर भी अंकुश लगेगा। इससे कमीशनखोरी और ठेकेदारों पर निर्भरता कम होगी तथा कर्मचारियों को उनके श्रम का उचित पारिश्रमिक मिल सकेगा। भागव ने मुख्यमंत्री से मांग की कि भाजपा के विधानसभा चुनावी वचन-पत्र में किए गए वादे को पूरा करते हुए प्रदेश के लगभग तीन लाख आउटसोर्स कर्मियों के हित में “मध्यप्रदेश आउटसोर्स पर्सनल बिल 2026” विधानसभा में लाया जाए। उन्होंने कहा कि विधेयक पारित कर उसका तत्काल अधिसूचना जारी करते हुए आउटसोर्स कर्मचारियों को विभागों से सीधे वेतन भुगतान की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।



अमरकंटक में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा तीर्थराज

अंतिम सोमवार पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा समेत माजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम और विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने ज्वालेश्वर महादेव के किए दर्शन

अनूपपुर/अमरकंटक। श्रावण मास के चौथे एवं अंतिम सोमवार को तीर्थराज अमरकंटक में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही नर्मदा उद्गम नगरी के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। हर-हर महादेव, बोल बम और नर्मदे हर के जयघोष से पूरा अमरकंटक शिवमय नजर आया। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। श्रावण के अंतिम सोमवार पर छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी अमरकंटक पहुंचे। उन्होंने विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन किए और

ज्वालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं जलाभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने भगवान शिव से प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। सावन माह की पावन बेला में नर्मदांचल वीर शिवाजी युवा संगठन एवं हीरा सिंह श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 24 अगस्त को अमरकंटक से बामनगढ़ बमलेश्वर धाम तक भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं कावड़ यात्री शामिल हुए। भक्तिमय वातावरण में निकली कावड़ यात्रा के दौरान पूरा मार्ग हर-हर महादेव, बोल बम और जय मां नर्मदा के जयघोष से गूंज उठा। पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को भी अंतिम सोमवार को पुष्पराजगढ़ से अमरकंटक पहुंचे। उन्होंने ज्वालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का पूजन-अर्चन कर पवित्र जल से जलाभिषेक किया। इस दौरान उनके साथ समर्थकों और श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद रही। कावड़ यात्रियों ने अमरकंटक स्थित मां नर्मदा मंदिर में

विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद मां नर्मदा का पवित्र जल कावड़ में लेकर बामनगढ़ बमलेश्वर धाम के लिए यात्रा का शुभारंभ किया गया। भगवा ध्वजों और धार्मिक जयघोष के साथ आगे बढ़ती कावड़ यात्रा ने क्षेत्र में भक्ति और आस्था का माहौल बना दिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर जलपान एवं विश्राम की व्यवस्था की गई। कावड़ यात्री निर्धारित मार्ग से होते हुए पौड़की पहुंचे, जहां जलपान कराया गया। इसके बाद दोनिया तिराहा में भी श्रद्धालुओं के लिए जलपान एवं विश्राम की व्यवस्था रही। पूरे यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली। कावड़ यात्रा शाम को बामनगढ़ बमलेश्वर धाम पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा से लिए गए पवित्र जल से भगवान बमलेश्वर महादेव का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना की। भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के दौरान पूरा धाम हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। आयोजक नर्मदांचल वीर

शिवाजी युवा संगठन एवं हीरा सिंह श्याम मित्र मंडल की ओर से यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता से संपन्न हुई यह कावड़ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम बनी रही। श्रावण के अंतिम सोमवार को अमरकंटक के ज्वालेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदा उद्गम सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर सुबह से देर तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। दूर-दराज से पहुंचे कांवड़ियों और शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित किया। धार्मिक स्थलों पर भजन-कीर्तन और जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच राजनीतिक दलों से जुड़े जनप्रतिनिधियों और नेताओं की मौजूदगी भी चर्चा में रही। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम और विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के धार्मिक आयोजनों में शामिल होने से अमरकंटक में आस्था के साथ राजनीतिक हलचल भी नजर आई।

3000 से अधिक बच्चों ने सीखा सुरक्षित सफर का मंत्र स्कूलों में गूंज रहा सड़क सुरक्षा का पाठ



अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रान्त मुराब (आईपीएस) के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा ‘ट्रैफिक पाठशाला अभियान’ लगातार प्रभावी रूप से जारी है। अभियान के तहत अब तक जिले के 15 से अधिक विद्यालयों में पहुंचकर 3000 से अधिक विद्यार्थियों को

यातायात नियमों और सुरक्षित सड़क व्यवहार की जानकारी दी जा चुकी है। यातायात पुलिस की टीम विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को हेलमेट, सीट बेल्ट, यातायात संकेत, जेब्रा क्रॉसिंग, सड़क संकेतक और सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दे रही है। विद्यार्थियों को ट्रैफिक पार्क में ले

जाकर वास्तविक परिस्थितियों के माध्यम से यातायात नियमों को समझाया जा रहा है। बच्चे विभिन्न सड़क संकेतों और यातायात सिमलेंटों की पहचान कर उनके महत्व को भी सीख रहे हैं। यातायात नियमों को रोचक तरीके से समझाने के लिए विद्यार्थियों के बीच यातायात प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की जा रही है। इसमें बच्चों ने

उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सही जवाब देकर अपनी जानकारी का प्रदर्शन किया। बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए चॉकलेट भी वितरित की गई। चॉकलेट पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और सड़क सुरक्षा को लेकर उनमें उत्साह देखने को मिला। यातायात पुलिस का मानना है कि बचपन में सीखी गई सड़क सुरक्षा की सीख जीवनभर उपयोगी रहती है। इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों को जागरूक कर उन्हें अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने के लिए तैयार किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त मुराब के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में ‘ट्रैफिक पाठशाला अभियान’ निरंतर जारी रहेगा। आगामी दिनों में जिले के अन्य विद्यालयों में पहुंचकर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

अनूपपुर।

स्थानीय डीपीएम पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय अभियान ‘एक पेड़ मां के नाम’ के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में सैकड़ों छायादार एवं फलदार पौधे रोपे गए। विद्यार्थियों ने पौधों को अपनी मां का नाम देकर उनके साथ भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया। अनूपपुर की जैव विविधता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थानीय एवं पारंपरिक पौधों का चयन किया गया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने विद्यालय



प्रबंधन के साथ मिलकर अभियान में बह-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे रहेंगे, बल्कि पौधों के बड़े होने तक उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी करेंगे। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती सुशीला कुलवंत ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी

की भावना विकसित करने के साथ मां के निस्वार्थ प्रेम और त्याग के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे वृक्षारोपण को केवल एक दिन का कार्यक्रम न मानकर इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

खराब सड़क और मूलभूत सुविधाओं को लेकर सिवनी में ग्रामीणों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी



अनूपपुर। जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत सिवनी के वार्ड क्रमांक 5 एवं 6 के ग्रामीणों द्वारा खराब सड़क, कीचड़, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की समस्याओं को लेकर ग्राम पंचायत कार्यालय में शुरू की गई अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रही। ग्रामीणों ने प्रशासन से समस्याओं के स्थायी निराकरण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड क्रमांक 5 एवं 6 को जोड़ने वाली सड़क लंबे समय से बدهाल है। बारिश के

दौरान सड़क पर कीचड़ भर जाने से आवागमन मुश्किल हो जाता है। इसका सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। कीचड़ और खराब रास्ते के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है और कई बच्चे स्कूल जाने से भी कतराते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की बدهाली के कारण आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस को गांव तक पहुंचने में भी परेशानी होती है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का

आरोप है कि खराब सड़क के चलते कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिनमें लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण एवं सुधार को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई बार आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक सड़क सुधार की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार अनदेखी से परेशान होकर वार्ड क्रमांक 5 एवं 6 के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत कार्यालय में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का निर्णय

लिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सड़क, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनका अंदोलन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके का निरीक्षण कराया जाए और सड़क सुधार का कार्य शुरू कराया जाए, ताकि स्कूली बच्चों, मरीजों, ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

मेष बदलकर गांजे की तस्करी कर रहे पंजाब के दो आरोपी गिरफ्तार

निगौरा स्टेशन पर आरपीएफ ने 15.540 किलो गांजा पकड़ा, कीमत 7.77 लाख रुपए

अनूपपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन ‘नारकोस’ के तहत निगौरा रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी भेष बदलकर कपड़ों की पोर्टलियों में गांजा लेकर जा रहे थे। उनके कब्जे से 15.540 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7.77 लाख रुपए बताई गई है। जानकारी के अनुसार 24 अगस्त की रात करीब 1.15 बजे आरपीएफ टास्क टीम सहायक उप निरीक्षक अमरेंद्र सिंह के नेतृत्व में निगौरा स्टेशन के सर्कुलैटिंग एरिया में संधिध व्यक्तियों और सामान की जांच कर रही थी। इसी दौरान दो



व्यक्तियों की गतिविधियां संधिध नजर आने पर टीम ने उन्हें रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान उनके पास मौजूद कपड़ों की पोर्टलियों से गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हंसा नाथ (40) और मनता नाथ उर्फ लंबू (39), दोनों निवासी जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है। हंसा नाथ के कब्जे से 7.280 किलो तथा मनता नाथ के कब्जे से 8.260 किलो गांजा बरामद किया गया। आरपीएफ ने दोनों आरोपियों को जब्त गांजे के साथ जैतहरी पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 285/2026 के तहत एनडीपीसी एक्ट की धारा 8/20(ख) में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। आरपीएफ बिलासपुर मंडल द्वारा वर्ष 2026 में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अब तक की कार्रवाइ में करीब 550 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया जा चुका है, जिसकी अनुमानित कीमत 3 करोड़ रुपए से अधिक है। रेलवे परिसर और ट्रेनों में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए आरपीएफ द्वारा निगरानी और जांच अभियान लगातार जारी है।

NAME CHANGE NOTICE
I, LAKI BASOR /S/O- SHRI KAILASH VANSHKAR age 19 years resident of village- Kirgi, Post Rajendragram Police Station Rajendragram District Anuppur Madhyapradesh 484881 do hereby solemnly affirm and declare as under- That I am the citizen of India. That my date of Birth is 02.04.2011. That now I have changed my name from LAKI BASOR, D.O.B. 02.04.2011 TO LUCKY VANSHKAR, D.O.B. 20.03.2007. That I in future, should be knows LUCKY VANSHKAR, D.O.B. 20.03.2007. I hereby confirm that the above statements are true and correct to the best of my knowledge.
OLD NAME - LAKI BASOR DATE OF BIRTH- 02.04.2011 NEW NAME - LUCKY VANSHKAR DATE OF BIRTH- 20.03.2007